सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 9 • अंक: 31 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, शनिवार, 4 मार्च, 2023

यदि आपके अंदर किसी चीज का जुनून है और आप कड़ी मेहनत करते हैं, तो मुझे लगता है आप सफल होंगे..!

– पियरे ओमिड्यार

किसी तानाशाही से नहीं... 2 | अपराधी भी बनते हैं वोटों के... 3 | तमिलनाडु की घटना पर ऐक्शन... 7

भागवत के बयान पर फिर राजनीति गरमाई

आरएसएस चीफ बोले- हिंदू ग्रंथों की फिर समीक्षा हो

» पहले ज्ञान की परंपरा मौखिक थी

» स्वार्थी लोगों ने गलत चीजें शामिल की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। अपने बयानों से हमेशा चर्चा में रहने वाले आरएसएस चीफ मोहन भागवत एकबार फिर सुर्खियों में है। इस बार वह हिंदू धर्म ग्रंथों की दोबारा समीक्षा करने की बात कह कर बहस के केंद्र में आ गए हैं। उनके बयान के बाद राजनीतिक दलों की भी प्रतिक्रिया आई है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू धर्म ग्रंथों की दोबारा समीक्षा करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां पहले ग्रंथ नहीं थे। हमारा धर्म मौखिक परंपरा से चलता आ रहा था। बाद में ग्रंथ इधर-उधर हो गए और कुछ स्वार्थी लोगों ने ग्रंथ में कुछ-कुछ घुसाया जो गलत है। उन ग्रंथों, परंपराओं के ज्ञान की फिर एक बार समीक्षा जरूरी है।

विदेशी आक्रमणों के कारण हमारी व्यवस्था नष्ट हो गई

हमारे पास वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी था, जिसके आधार पर हम चले। लेकिन विदेशी आक्रमणों के कारण हमारी व्यवस्था नष्ट हो गई, हमारी ज्ञान की परंपरा खंडित हो गई। हम बहुत अस्थिर हो गए। इसलिए हर भारतीय को कम से कम कुछ बुनियादी ज्ञान होना चाहिए कि हमारी परंपरा में क्या है, जिसे शिक्षा प्रणाली के साथ-साथ लोगों के बीच सामान्य बातचीत के जरिए हासिल किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर भारतीयों ने अपने पारंपरिक ज्ञान के आधार का पता लगाया और पाया कि वर्तमान समय के लिए क्या स्वीकार्य है, तो दुनिया की कई समस्याओं को हमारे समाधान से हल किया जा सकता है।

पहले कहा था- जाति भगवान ने नहीं पंडितों ने बनाई

रविदास जयंती पर मुंबई में हुए एक इवेंट में भागवत ने कहा था- जाति भगवान ने नहीं बनाई है, जाति पंडितों ने बनाई जो है। भगवान के लिए हम सभी एक हैं। हमारे समाज को बांटकर पहले देश में आक्रमण हुए, फिर बाहर से आए लोगों ने इसका फायदा उठाया। गणतंत्र दिवस के मौके पर जयपुर में आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने कहा कि अंग्रेज भी चले गए हैं। अब हमको अपने मन को विशाल करना होगा और उन सभी बेड़ियों को तोड़ना होगा। जो हमको बार-बार पीछे खींचती हैं। इस दौरान उन्होंने अम्बेडकर को भी याद किया। भागवत ने कहा कि हर गणतंत्र दिवस पर अम्बेडकर के उस संदेश को भी जरूर पढ़ना चाहिए। जिसमें उन्होंने लिखा था कि अब कोई बंदिश नहीं है।

"हमारे यहां पहले ग्रंथ नहीं थे।हमारा धर्म मौखिक परंपरा से चलता आ रहा था। बाद में ग्रंथ इधर-उधर हो गए और कुछ स्वार्थी लोगों ने ग्रंथ में कुछ-कुछ घुसाया जो गलत है। उन ग्रंथों, परंपराओं के ज्ञान की फिर एक बार समीक्षा जरूरी है।

मोहन भागवत, आरएसएस चीफ

कुछ प्राचीन किताबें खो गईं, नई में गलत दृष्टिकोण डाला

भागवत ने कहा कि भारत का पारंपरिक ज्ञान का आधार बहुत बड़ा है, हमारी कुछ प्राचीन किताबें खो गईं, जबकि कुछ मामलों में स्वार्थी लोगों ने इनमें गलत दृष्टिकोण डाला। लेकिन नई शिक्षा नीति के तहत तैयार किए गए सिलेबस में अब ऐसी चीजें भी शामिल हैं, जो पहले नहीं थीं।

मेघालय में सरकार बनने से पहले दरार

» संगमा सरकार की राह मुश्किल

» एचएसपीडीपी के दो विधायकों ने दिया समर्थन, पार्टी ने लिया वापस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिलांग। मेघालय की राजनीति में दिलचस्प सियासी मोड़ आ गया है, जिसके बाद कोनराड संगमा की सरकार बनाने की राह मुश्किल होती नजर आ रही है। कोनराड संगमा की नेशनल पीपल्स पार्टी को समर्थन देने वाली स्थानीय पार्टी के दो विधायकों ने सरकार बनाने का समर्थन दिया था लेकिन कुछ ही देर में पार्टी ने समर्थन से इनकार कर दिया।

शुक्रवार (3 मार्च) को कोनराड संगमा ने राज्य के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया था। एनपीपी नेता ने राज्य के 32 विधायकों के समर्थन का हस्ताक्षरित पत्र राज्यपाल को सौंपा था। राज्य की 60 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 31 विधायकों की जरूरत है।

दिन में समर्थन, शाम को वापस

संगमा ने जिन 32 विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपा था उसमें एनपीपी के 26 विधायक, बीजेपी के 2, हिल स्टेट पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के 2 और दो निर्दलीय विधायकों के हस्ताक्षर थे. पत्र सौंपने के बाद कोनराड संगमा ने कहा था कि हमारे पास पूर्ण बहुमत है। बीजेपी ने पहले ही अपना सपोर्ट दिया है। कुछ दूसरों ने भी अपना समर्थन हमें सौंपा है। शुक्रवार दिन में समर्थन पत्र सौंपने के कुछ ही देर बाद देर शाम को एचएसपीडीपी ने एक पत्र से सियासी तस्वीर बदल गई। इस पत्र में एचएसपीडीपी ने कहा कि उसने अपने विधायकों को एनपीपी के नेतृत्व वाली सरकार गठन को समर्थन देने के लिए अधिकृत नहीं किया है। एचएसपीडीपी के अध्यक्ष केपी पांगनियांग और सचिव पनबोरलंग रिनथियांग ने एनपीपी अध्यक्ष कोनराड संगमा को लिखे पत्र में कहा है कि एचएसपीडीपी ने आपकी सरकार के गठन के लिए समर्थन देने के लिए दो विधायकों-मेथोडियस डखार और शाक्लियर वारजरी को अधिकृत नहीं किया। पार्टी (एचएसपीडीपी) की इस मामले में कोई भूमिका नहीं है और इसलिए आपकी पार्टी से अपना समर्थन वापस लेती है, जो आज (शुक्रवार) से ही प्रभावी होगा। इसकी एक प्रति राज्यपाल को भी भेजी है।

कोर्ट में पेश हुए सिसोदिया

» फैसला सुरक्षित, 10 को फिर सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीबीआई को मिली पांच दिन की रिमांड शनिवार को खत्म होने के बाद सिसोदिया को राउज एवेन्यू अदालत में पेश किया गया जहां सुनवाई करने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया। अगली सुनवाई 10 मार्च तक टाल दी गई।

मनीष सिसोदिया की पेशी को लेकर सीबीआई मुख्यालय के बाहर दिल्ली पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स और सीआरपीएफ को तैनात किया गया है। सिसोदिया को 2021-22 की रद्द हो चुकी शराब नीति तैयार करने और इसे लागू करने में कथित भ्रष्टाचार में

करीब आठ घंटे की पूछताछ के बाद रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया था। अदालत ने 27 फरवरी को सिसोदिया को सीबीआई की हिरासत में भेज दिया था ताकि सीबीआई को इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए किए जा रहे सवालों के सही जवाब मिल सकें।

किसी तानाशाही से नहीं डरते : कमलनाथ

विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव पर विधानसभा अध्यक्ष को घेरा

» शिवराज सरकार ने समाज के हर वर्ग को धोखा दिया है: पूर्व सीएम

» मध्य प्रदेश में चल रहा गुंडाराज : अरुण यादव

4पीएम न्यूज नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र के पांवचें दिन हंगामा भरा रहा। पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि हम किसी तानाशाही से नहीं डरतें। इससे पहले कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव और संसदीय मंत्री नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव देने के बाद अब बीजेपी ने भी सज्जन सिंह और विजयलक्ष्मी साधौ के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष को विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव दिया है।

पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि जनमत से विश्वासघात कर बनी शिवराज सिंह चौहान की सौदेबाजी की सरकार मध्य प्रदेश विधानसभा के पवित्र मंदिर को अपनी तानाशाही की जागीर समझ रही है। भाजपा कथित विकास यात्रा के दौरान देख चुकी है कि जनता में उसके प्रति जबरदस्त गुस्सा है। शिवराज सरकार ने समाज के हर वर्ग को धोखा दिया है और झूठ बोला है। उनके वर्तमान कृत्यों से इस सरकार के पाप का घड़ा लगातार भरता जा रहा है। लेकिन तानाशाह सरकार एक बात समझ ले कि कांग्रेस ना तानाशाही से डरती है और ना सत्ता के दुरुपयोग से डरती है। हम हर मोर्चे पर लड़ेंगे और मध्य प्रदेश की जनता के आशीर्वाद से जीतेंगे। वहीं खरगोन जिले की बड़वाह विधानसभा में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा में पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने प्रदेश की बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यादव ने कहा, शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में दलालों की एक फौज तैयार है और प्रदेश में घूम रही है, जो यहां विधायकों को खरीदने का काम करती है। इतना ही नहीं जीतू पटवारी घटनाक्रम को लेकर भी कहा कि जब हम सदन में सच्ची बात करते हैं तो, हमारे एक साथी को सरकार निलंबित कर देती है। विधानसभा अध्यक्ष अविश्वास प्रस्ताव को सहमति नहीं देते। अरुण यादव ने कहा कि पूरे प्रदेश में बीजेपी सरकार गुंडाराज चला रही है।

गृहमंत्री और मुख्यमंत्री की लड़ाई में मेरा निलंबन : जीतू पटवारी

भोपाल। विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी ने शुक्रवार को कहा कि गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की आपसी लड़ाई में मुझ पर कार्रवाई हुई। कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी ने कहा कि हमारे अध्यक्ष संविधान की शपथ और धर्म नहीं निभा रहे हैं। उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव कमलनाथ जी के निर्देश पर कांग्रेस पार्टी लाई है। वो चर्चा से भागे हैं। किताबें फेंक कर भाग गए। क्योंकि चोरी करने वाला कभी मुंह नहीं दिखाता, मुंह छिपाकर भागता है। 13 मार्च को हिसाब देना पड़ेगा।

पटवारी बोलते कुछ और कहते कुछ और : विस अध्यक्ष

भोपाल। विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने कहा कि पटवारी ने पटल पर कुछ रखा और बात कुछ और ही कहीं। जब उन्हें चुनौती दी गई तो उन्हें स्वीकार करना चाहिए था। आप रिकॉर्डिंग देख सकते हैं। विधानसभा पब्लिक मंच नहीं है। विधानसभा मर्यादा, परंपरा, प्रक्रिया, नियम और कानून से चलती है। विधानसभा में ज्यादा बोलने का अधिकार सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष को ही है। कई बार भाषा की मर्यादा होती है। हम व्यंग्य और कटाक्ष से किसी को नहीं रोकते। लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए कि सदन की गरिमा को ही खंडित कर दिया जाए। फिर भी निलंबित करने का प्रस्ताव आने पर मैंने उसे नहीं माना था। मैंने कहा था कि यह तमाम संसदीय गरिमा को ठेस पहुंचाएगा। मैंने खेद व्यक्त करने का निर्देश दिया था। पटवारी ने कहा कि हम खेद भी व्यक्त नहीं करेंगे।

भाजपा वसुंधरा राजे का सम्मान नहीं करेगी तो खत्म हो जाएगी

» राजस्थान के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा- पूर्व सीएम राजे को राजी करने में फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की गहलोत सरकार में मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के वजूद को चुनौती दे रही है। भाजपा को मान लेना चाहिए कि वसुंधरा राजे में दम है। एक मित्र के रूप में मैं भाजपा के लोगों को सलाह दे रहा हूं कि वे अगर पूर्व सीएम राजे को राजी करके राजनीति करेंगे तो फायदे में रहेंगे।

जिस परिवार में महिलाओं का सम्मान नहीं होता उस परिवार का अंत हो जाता है। मंत्री खाचरियावास ने कहा कि अगर, भाजपा को अपने घर में शांति चाहिए, वोट चाहिए तो उन्हें यह समझना पड़ेगा इस देश की परंपरा महिलाओं का सम्मान करने की है। भाजपा के लोगों को वसुंधरा जी से लड़ाई नहीं करनी चाहिए, उनके जन्मदिन में जाना चाहिए। ये कैसी लड़ाई है कि दो बार की मुख्यमंत्री रहीं नेता को जन्मदिन नहीं मनाने दिया जा रहा है। उनके जन्मदिन को लेकर भाजपा वालों का पेट दुख रहा है, इसका मुझे दुख है। वे पहले ही घोषणा कर चुकी थीं कि मैं 4 मार्च को अपना जन्मदिन सालासर में मनाऊंगी। जिन्हें जाना है वे जाते और बधाई देते, जिन्हें नहीं जाना वे नहीं जाते, लेकिन चार मार्च को प्रदर्शन का ऐलान नहीं करना चाहिए था। पूर्व सीएम राजे पहले ही घोषणा कर चुकी थीं, इसमें उनकी गलती नहीं है। ये लोग गलत हैं, मैं न्याय के साथ हूं। भाजपा के सभी नेता पूर्व सीएम को बधाई देने सालासर जाएंगे और कल जयपुर में होने वाला प्रदर्शन फेल होगा।

भागवत के पास कितना ज्ञान जो डीएनए की बात करते हैं : तोगड़िया

» बोले-मेरा डीएनए गजनी, गौरी और मोहम्मद जिन्ना से नहीं मिलता है

4पीएम न्यूज नेटवर्क

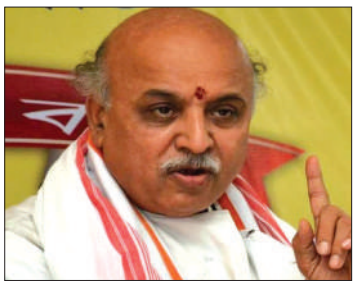

बेगूसराय। प्रवीण तोगड़िया ने सरसंघचालक मोहन भागवत और पर बड़ा हमला बोला है। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रमुख प्रवीण तोगड़िया बेगूसराय में कहा मोहन भागवत के उस बयान को लेकर कटाक्ष किया है जिसमें उन्होंने कहा था कि सभी का डीएनए एक है। मेरा डीएनए मेडिकली ज्ञान मोहन भागवत से ज्यादा है, यह भारत का कोई भी डॉक्टर स्वीकार करेगा।

उन्होंने कहा कि मोहन भागवत कितना पढ़े हैं, मुझे नहीं पता। लेकिन मैं तो कैंसर का डॉक्टर हूं, इसलिए डीएनए को लेकर मेरी जानकारी मोहन भागवत से ज्यादा है। मेरा डीएनए गजनी, गौरी और मोहम्मद जिन्ना से नहीं मिलता है। मेरा डीएनए पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप, गुरु गोविंद सिंह और शिवाजी महाराज जैसे लोगों से मिलता है। उन्होंने कहा कि वे शत्रु हैं, इसलिए मेरा डीएनए उनसे नहीं मिल सकता न मिलेगा। उन्होंने इतिहास में जो किया है प्रवीण तोगड़िया उसे कभी माफ नहीं करेगा।

सिलेंडर के भाव लोगों को आत्महत्या के लिए कर रहे प्रेरित

तोगड़िया ने कहा कि महंगाई चरम पर है। गैस सिलेंडर का भाव लोगों को आत्महत्या करने के लिए प्रेरित कर रहा है। प्रवीण ने कहा कि भारत एक हिंदू राष्ट्र , है और रहेगा। इसलिए इसे हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग ठीक नहीं है जो है उसे हम कैसे बनाएंगे। देश में जो हिंदू है उसे गरीब मुक्त हिंदू, रोजगार युक्त युवा, कर्ज मुक्त किसान, सस्ती शिक्षा और शिक्षा के बाद रोजगार और महंगाई मुक्त गृहणी बनाना है। उन्होंने कहा कि तो कहेंगे कि यही प्रवीण तोगड़िया का हिंदू राष्ट्र है। पीएम नरेंद्र मोदी का विरोध करने पर साइडलाइन किए जाने पर उन्होंने कहा कि मैं तो मेन लाइन में हूं। मस्जिद जाने वाले, पाकिस्तान को गेहूं खिलाने वाले और पसमांदा मुसलमानों के घर जाने वाले साइडलाइन में हैं। मैं तो काशी मथुरा के राजमार्ग पर ही हूं और इस राजमार्ग पर ही देश की जनता मेरे साथ है।

पुरानी पेंशन योजना पर विचार करेंगे : फडणवीस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के संदर्भ में विधायकों द्वारा पूछे गए सवालों का जबाव देते हुए वित्त मंत्री व उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद में कहा कि हम पुरानी पेंशन योजना के खिलाफ नहीं हैं। इस बारे में सरकार सकारात्मक है, लेकिन हमें राज्य के आर्थिक मामलों पर भी ध्यान देना होगा।

बजट सत्र के समापन के बाद वह अधिकारियों और यूनियन्स के साथ बैठक करेंगे और किसी नतीजे तक पहुंचने का प्रयास करेंगे। विधान परिषद में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को लेकर विरोधी दलों ने सरकार से सवाल पूछे। विधान परिषद सदस्यों राजेश राठोड़, कपिल पाटील और अंबादास दानवे ने पूछा कि क्या सरकार 2005 के बाद नौकरी जॉइन करने वाले शिक्षकों एवं राज्य कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करेगी या फिर उस पर कोई विचार कर रही है? जब राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्य पुरानी पेंशन योजना लागू कर रहे हैं, तो महाराष्ट्र सरकार ऐसा क्यों नहीं कर सकती?

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

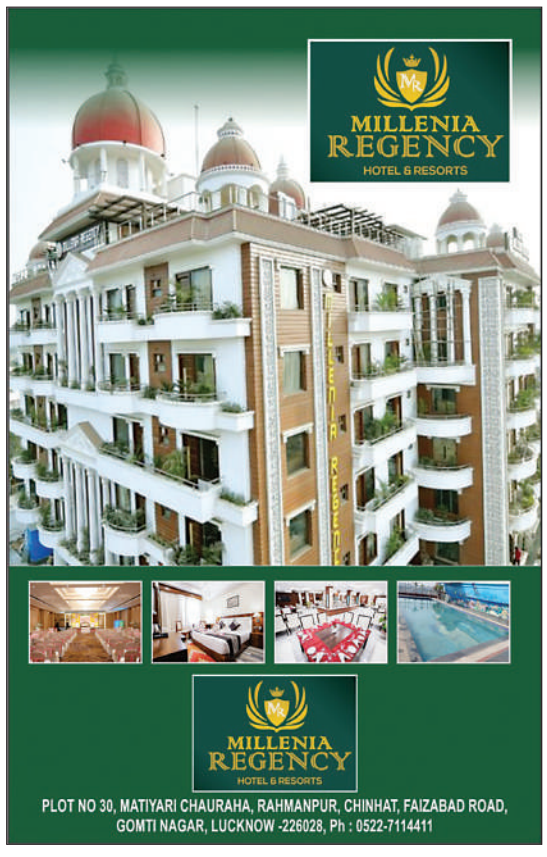

अपराधी भी बनते हैं वोटों के अधार!

» यूपी में बुलडोजर पर सियासत
» राजनीति से सुधरती है छवि
» अतीक, फूलन, हरिशंकर सब ने लांघी सदन की चौखट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज काल यूपी में बुलडोजर और माफिया दो शब्द हर आम व खास की जुबान पर चढ़ा हुआ है। प्रयागराज के दबंग अतीक अहमद इन शब्दों के पीछे मुख्य किरदार की भूमिका में है। अतीक के नाम की चर्चा इसलिए हो रही है क्योकि उनका नाम उमेश पाल की हहत्या में आ रहा है। उमेश पाल बसपा विधायक राजूपाल हत्याकांड केमुख्य गवाह थे। उमेश पाल की हत्या का मामला यूपी के विधान सभा में उठा था । जिसकी बहस में सीएम योगी व नेता विपक्ष अखिलेश में तीखी नोक-झोंक भी हुई थी। सदन में योगी ने माफिया को मिट्टी में मिलाने की बात की थी, उसी के मद्देनजर अतीक व उसके करीबियों के घरों पर बलडोजर की कार्रवाई की जा रही है। इस तरह के कार्रवाई राजनैतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण भी होते हैं। कुछ साल पहले तक कई अपराधी किस्म के वांछित लोग राजनैतिक दलों के समर्थन से लोक सभा व राज्य विधान सभाओं में पहुंचकर अपनी छवि जनता बीच में अच्छी कर लेते थे।

कभी-कभी अपराधी अपने जाति या संप्रदाय में रॉबिन हुड की छवि कायम करने के लिए उदार तौर-तरीके अपनाते रहे हैं। राजनीतिक दल वोट बैंक साधने के लिए गैंगेस्टर, माफिया और डकैतों का इस्तेमाल करते रहे हैं। गौ तस्करी के आरोपियों की निर्मम हत्या के प्रमुख आरोपी मोनू मनेसर सहित अन्य आरोपियों के मामले में भी यही हुआ। मोनू मनेसर के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। जिनमें वह हथियारों का प्रदर्शन करता नजर आता है। इसके अलावा उसके नेताओं के साथ फोटो भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। मोनू की गिरफ्तारी नहीं हो, इसके लिए महापंचायत ने फैसला लिया। भिवानी के लोहारू में दो लोगों की बोलेरो के अंदर जली हुई लाश मिली थी। दोनों के गौ तस्कर होने का शक जताया गया था। भिवानी में मोनू के समर्थन में महापंचायत की गई और इस महापंचायत में राजस्थान पुलिस को यह धमकी दी गई कि वह गांव में कदम तक न रखें। इसमें कहा गया कि यदि पुलिस ने मोनू मानेसर के खिलाफ किसी भी तरह का एक्शन लिया तो पुलिस अपने पैरों पर वापस नहीं जा पाएगी। महापंचायत में मोनू मानेसर को हिंदुओं का हितैषी बताया गया।

राजनीति को माफिया, सरगनाओं और डकैतों ने बनाया मोहरा

माफिया, सरगनाओं और चंबल के डकैतों ने भी राजनीतिक दलों को मोहरा बनाया है। ऐसे कुख्यात अपराधियों का अपराध का ही नहीं बल्कि राजनीति का भी लंबा इतिहास रहा है। जिसकी आड़ में उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई न हो सके। अपने काले कारनामों पर लॉरेंस विश्नोई, आनंद पाल, मोनू मानेसर, मुख्तार अंसारी और लवली आनंद जैसे अपराधियों ने जाति के सहारा लेकर अपराधों के काले कारनामों को गौरवान्वित करने का प्रयास किया है। ऐसे अपराधी अपनी रॉबिन हुड की छवि को बनाने का प्रयास करते हैं। जाति के अलावा इसमें यदि सांप्रदायिक रंग भी मिल जाए तो अपराधी को बचने के लिए एक मजबूत सहारा मिल जाता है। राजनीतिक दलों के लिए ऐसे अपराधी वोट जुटाने और सांप्रदायिक आधार पर वोटों को ध्रुवीकरण करने का काम करते हैं। जातिगत शरण लेने वाले अपराधी का आधार सिर्फ अपनी जाति तक सीमित रहता है, जबकि अपराध के बाद सांप्रदायिक आधार पर बांटने से अपराधी के राजनेता बनने के रास्ते भी खुल जाते हैं। राजनीति का चोला पहन कर सांप्रदायिक घटनाओं को अंजाम देना ज्यादा आसान होता है। बिहार और उत्तर प्रदेश में कुख्यात माफिया लंबे अर्से तक राजनीतिक कवच की आड़ में अपराधों की सजा से बचते रहे हैं। हालांकि अब दोनों राज्यों की स्थिति में सुधार है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की योगी सरकार ने मुख्तार अंसार सहित दूसरे माफिया और गैंगस्टर को सलाखों की पीछे भेजने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। इतना ही नहीं ऐसे अपराधियों की सम्पति कुर्क करने और अतिक्रमण को ढहाने को भी अंजाम दिया गया, ताकि दूसरे अपराधी भी इससे सबक सीख सकें। ऐसा ही बिहार में माफियाओं के साथ किया गया। माफियाओं को इस बात का बखूबी एहसास कराया गया कि जाति, धर्म और क्षेत्र की आड़ लेकर अपराधों पर पर्दा डालना आसान नहीं है।

कुख्यातों की छवि भुनाने में जुटे नेता

इसके बावजूद राजनीतिक दल ऐसे कुख्यात अपराधियों की छवि भुनाने में पीछे नहीं हैं। मुख्तार अंसारी के मामले में एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी योगी सरकार पर संप्रदाय के आधार पर कार्रवाई करने का आरोप लगा कर अल्पसंख्यकों का वोट बैंक रिझाने का प्रयास करते रहे हैं। ऐसे दुर्दांत अपराधियों के मामले में पुलिस की हालत कठपुतली की तरह होती है। पुलिस राज्यों सरकारों के अधीन काम करती है। पुलिस की कार्रवाई राज्य सरकार की मंशा के बगैर नहीं हो सकती। इसका बड़ा उदाहरण उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश की पुलिस कई कुख्यात बदमाशों और माफियाओं को ढेर कर दिया। इतना ही नहीं पुलिस ने अपना इकबाल इस कदर कायम किया कि कुछ बदमाशों ने तो जमानत पर जेल से रिहा होने तक से इंकार कर दिया कि, कहीं पुलिस उनका एनकाउन्टर नहीं कर दे। पुलिस में यह साहस आया सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण। यही पुलिस समाजवादी और बहुजन समाजवादी पार्टी के सत्ता में रहने पर कुछ नहीं कर पाई। इससे जाहिर है कि जब तक पुलिस को अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने की पूरी स्वायत्तात नहीं मिलेगी तब तक पुलिस अपनी वर्दी का खौफ अपराधियों में पैदा नहीं कर पाएगी।

अपराधियों पर भिड़े दो राज्य

इस मुद्दे पर हरियाणा और राजस्थान की पुलिस आमने-सामने आ गई। दोनों राज्यों में अलग दलों की सरकारें हैं। राजस्थान में यह चुनावी साल है। ऐसे में दोनों सरकारों का यही प्रयास है कि मृतकों और उनके आरोपियों के मामले में एक-दूसरे को दोषी ठहरा कर क्षेत्रीय और जातिगत वोट बैंक को मजबूत किया जाए कुख्यात अपराधियों का जाति-संप्रदाय और क्षेत्र विशेष का सहारा लेने का पुराना इतिहास रहा है। राजनीतिक दल इसका फायदा वोट बैंक के लिए उठाते रहे हैं। जाति और संप्रदायों ने गैंगेस्टर, माफियाओं और यहां तक की चंबल के डकैतों तक को शरण प्रदान की है। डकैत चाहे चंबल के रहे हों या फिर शहरों में रहने वाले अपराधी हों, सबने अपनी-अपनी जातियों, संप्रदाय और क्षेत्रीयता को अपने बचाव की ढाल के तौर पर इस्तेमाल किया है। इस तरीके के महिमामंडन में अपराधी अपने जाति या संप्रदाय में रॉबिन हुड की छवि कायम करने के लिए उदार तौर-तरीके अपनाते रहे हैं। दस्यु सुंदरी रही फूलन देवी ने अपने साथ हुई ज्यादती का बदला सामूहिक हत्याकांड को अंजाम देने के बाद अपनी जाति में ऐसी ही छवि बनाई थी। इतना ही नहीं फूलन देवी को इसका राजनीतिक फायदा भी मिला। समाजवादी पार्टी की टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ कर जीत तक हासिल कर ली। अपराधों को जातिगत आधार बनाने की कीमत भी फूलन को चुकानी पड़ी। दूसरी जाति से दुश्मनी के कारण फूलन देवी की हत्या हो गई।

पिता की तरह चमक सकते हैं कोनराड

» पीए संगमा की विरासत आगे बढ़ा रहे
» मेघालय की धमक होगी दिल्ली तक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिलांग। मेघालय की सियासत की धमक कभी पीए संगमा की वजह से दिल्ली में सुनाई पड़ती थी आज उनके पुत्र कोनराड संगमा उस विरासत को आगे बढ़ा रह हैं। 2018 में बीजेपी के साथ सरकार बनाने वाले कोनराड की पार्टी नेशनल पिपुल्स पार्टी 2023 में फिर सरकार बनाने जा रही है। संगमा परिवार के कई लोग राजनीति में हैं। एनपीपी ने इस बार संगमा परिवार के 8 लोगों को टिकट दिया था।

कोनराड, उनके भाई जेम्स, उनके चाचा थॉमस, रिश्तेदार संजय और बोस्टन ने चुनाव लड़ा था। कुछ लोगों ने तो कांग्रेस और भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। आज के समय में मेघालय में परिवारवाद कोई मुद्दा नहीं है। 2004 के अपने पहले चुनाव में कोनराड संगमा हार गए थे। हालांकि अब नेशनल पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष कोनराड एक बार फिर मेघालय के मुख्यमंत्री का पद संभालने जा रहे हैं। वह अपने पिता पी.ए. संगमा की तरह एक ताकतवर राजनेता के रूप में उभरे हैं, जो हर चुनाव के बाद मजबूत होते जा रहे हैं। 2008 में पहली बार विधायक बने कोनराड संगमा ने फाइनेंस में एमबीए की डिग्री हासिल की है। मुकुल संगमा की अगुआई वाली कांग्रेस सरकार में संगमा 2009 से 2013 तक विपक्ष के नेता थे। 2016 में अपने पिता, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष पी.ए. संगमा के निधन के बाद कोनराड एनपीपी के अध्यक्ष बने।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे पीए संगमा

पीए संगमा बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। 80-90 के दशक में जन्मे लोग आज 35-40 साल के होंगे और उन्हें याद होगा जब दूरदर्शन पर संसद की कार्यवाही प्रसारित होती थी तो छोटे कद के संगमा बड़े ही सहज तरीके से सदस्यों की बातों का जवाब देते थे। राजनीति में आने से पहले संगमा लेक्चरर थे। वह वकील और पत्रकार भी रहे। 1999 में कांग्रेस से अलग होने के बाद उन्होंने शरद पवार और तारिक अनवर के साथ मिलकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) बनाई थी। वह हमेशा लोगों से मुस्कुराकर मिलते थे। किसान के बेटे संगमा 1996-98 के दौरान लोकसभा के अध्यक्ष थे। देश को आजादी मिलने के कुछ दिन बाद जन्मे पीए संगमा को विरोधी भी पसंद करते थे। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र का समावेशी रूप देश के सामने रखा। वह कोयला और उद्योग मंत्री रहे। 2012 में उन्होंने राष्ट्रपति का चुनाव भी लड़ा लेकिन हार गए।

संगमा बनाम संगमा

2013 में हुए मेघालय विधानसभा चुनाव में इस नई नवेली पार्टी को केवल दो सीटें मिली थीं। हालांकि समय के साथ एनपीपी ने प्रदेश की सियासत को नई दिशा दी। कोनराड ने गठबंधन सरकार चलाई। वैसे, मेघालय की सियासत बड़ी दिलचस्प है। यहां वर्षों से संगमा बनाम संगमा गुट की लड़ाई है। दूसरे संगमा यानी मुकुल संगमा 2010 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहे हैं। दोनों संगमा का दबदबा ऐसा है कि दूसरी पार्टियों को ज्यादा सफलता नहीं मिल पा रही है। मुकुल संगमा कांग्रेस से टीएमसी में आ गए हैं लेकिन चुनाव में उनकी पार्टी को केवल 5 सीटें ही मिलीं। भाजपा को दो और कांग्रेस को 5 सीटों पर जीत मिली है।अमेरिका और ब्रिटेन में पढ़ाई करने वाले कोनराड संगमा अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

मोदी ने की थी तारीफ

टीवी पर दो दशक पहले लोगों ने एक ऐसे स्पीकर को देखा था, जो सहजता से सदस्यों से संवाद करते थे। मुस्कुराते थे तो लोग उन पर फिदा हो जाते थे। नाम था पीए संगमा। कभी मोदी ने उनकी बहुत तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि वह एक मासूम की तरह... सबके मन में उनका यह रूप बस गया था। उसका मूल कारण आदिवासियों के भीतर की निर्मलता थी। 2012 में ये शब्द गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहे थे। मोदी ने तब कहा था कि पीए संगमा 9 बार संसद के सदस्य रहे हैं, 18 साल केंद्र में मंत्री रहे, मेघालय प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे लेकिन कभी भी सीबीआई नहीं आई। एक दाग नहीं लगा। उस रोज कार्यक्रम में खूब तालियां बजी थीं। आज जब मेघालय विधानसभा चुनाव 2023 के नतीजे आ गए हैं तो राज्य ही नहीं, पूरे देश को पीए संगमा याद आ रहे हैं। मेघालय की 60 सदस्यीय विधानसभा की 59 सीटों पर वोटिंग हुई थी। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने सबसे ज्यादा 26 सीटें जीती हैं। 2013 में लोकसभा के पूर्व स्पीकर पीए संगा ने ही इस पार्टी की स्थापना की थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जीडीपी विकास दर का प्रभाव

देखा जाए तो महामारी के बाद से ही अर्थव्यवस्था में निवेश का काम मुख्यतया सरकार की ही ओर से हो रहा है, लेकिन जब तक निजी क्षेत्र की ओर से इसमें बढ़ोतरी नहीं होती, तब तक ग्रोथ में मजबूती नहीं आएगी। यह तभी होगा, जब कंस्यूमर डिमांड में रिकवरी हो।

गैस के दामों में बढ़ोत्तरी का असर तो आम आदमी पर तत्काल हो जाता है। पर देश के विकास दर के अुनमान का प्रभाव भी लोगों पर होता है पर बाद में। हालांकि मौजूदा वित्तीय वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर) में जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों का कम होना चिंताजनक न सही, विचारणीय तो है ही। उधर अच्छी बात ये है कि सरकार को जीएसटी से जनवरी-फरवरी अच्छी कमाई हुई है। जीडीपी की रफ्तार में लगातार दो तिमाहियों की यह कमी ऐसे समय आई है, जब ग्लोबल स्लोडाउन और मंदी की आशंकाओं के बीच भारत को बड़े आर्थिक शक्ति के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। इस तिमाही में ग्रोथ 4.4 फीसदी रही, जबकि दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर की अवधि में जीडीपी में 6.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी और पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 13.5 फीसदी की। तीसरी तिमाही में इसमें कुछ कमी का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन विशेषज्ञों में लगभग सर्वसम्मति थी कि गिरकर भी यह 4.7 फीसदी तक रहेगी। तीसरी तिमाही के आंकड़े कम रहने का सीधा मतलब पहली नजर में यही है कि पूरे वित्तीय वर्ष के लिए जीडीपी बढ़ोतरी के जो अनुमान बताए गए थे, उनका पूरा होना मुश्किल हो जाएगा। हालांकि सालाना 7 फीसदी बढ़ोतरी के इस अनुमान में अभी कोई संशोधन नहीं किया गया है। लेकिन अगर इसे पूरा किया जाना है तो वित्त वर्ष की चौथी यानी आखिरी तिमाही (जनवरी-मार्च 2023) के दौरान अर्थव्यवस्था को कम से कम 5.1 फीसदी की दर से बढ़ना होगा।

मौजूदा हालात में यह लक्ष्य खासा चुनौतीपूर्ण लगता है। इस धीमी रफ्तार की बड़ी वजह महंगाई काबू करने के लिए ब्याज दरों में लगातार की गई बढ़ोतरी को माना जा रहा है। मौजूदा वैश्विक और राष्ट्रीय परिदृश्य में इस नीति के तत्काल पलटने के आसार भी नहीं दिख रहे क्योंकि महंगाई का दबाव अभी भी बना हुआ है। दूसरी बात यह कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का सिकुड़ना जारी है। इस तिमाही में इस सेक्टर की बढ़ोतरी साल-दर-साल आधार पर 1.1 फीसदी दर्ज की गई, जो कंज्यूमर डिमांड की कमजोरी दर्शाती है। एक अच्छी बात यह है कि कृषि क्षेत्र की ग्रोथ अच्छी बनी हुई है। तीसरी तिमाही में यह 3.7 फीसदी दर्ज की गई, जबकि पूरे वित्त वर्ष के लिए यह अनुमान 3.3 फीसदी का है। मगर यहां ध्यान रखना जरूरी है कि यह अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि रबी की फसल जबर्दस्त होगी, यानी तापमान बढ़ने जैसे किसी कारक का प्रतिकूल प्रभाव नहीं होगा। यह धारणा कितनी सही है, इसका पता तभी चलेगा जब फसल कटने का वक्त आएगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक कोताही से हिंसा की काली छाया

गुरबचन जगत

पुलिस सेवा में मेरा कार्यकाल काफी लंबा रहा, जो 1960 के दशक के मध्य से शुरू होकर मौजूदा शताब्दी की शुरुआत तक रहा। इस दौरान मैंने कानून और व्यवस्था की नाना प्रकार की स्थितियां देखी हैं। सामान्य अपराध, मसलन, चोरी, डकैती और यदा-कदा होने वाली हत्याएं (कुछ जिलों में तो इनकी वार्षिक संख्या इकाई अंक तक सीमित हुआ करती थी, हालांकि मालवा इलाके में मामले अधिक थे)। पंजाब में बलात्कार की वारदातें कभी-कभार ही होती थीं। दरअसल, मामलों में उछाल आतंकवाद की आमद के बाद से ही हुआ, जिनमें अनेक मौकों पर हत्याएं, किसी धार्मिक स्थल पर गोमांस फेंकना तो कहीं सिगरेट फेंक देना, धीरे-धीरे समाज में फूट और दुराव बनता गया। इसके बाद आया दौर राज-शक्ति कौर आतंकवाद के बीच पूर्ण लड़ाई का, वे दिन थे जब केवल बंदूक ही बोला करती थी। यह मंजर जूलियस सीजर नाटक में कही मशहूर उक्ति 'मार-काट करो और कुत्तों की तरह टूट पड़ो' वाला था।

आज हालात ऐसे हैं कि खुद नेतृत्व असुरक्षा का हौवा खड़ा कर रहा है। विभिन्न रंग-ढंग के राजनीतिक दलों और संगठनों के नेतृत्व का दावा है कि भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, दलित और समाज के अन्य वर्ग सुरक्षित नहीं हैं। आखिर भारत के सामान्य नागरिक को खतरा है किससे- क्या एक-दूसरे से? तमाम राजनीतिक दलों को एक-दूजे से? क्या विभिन्न धर्मों को एक-दूसरे से है? यह वितंडा नेताओं के एक वर्ग-राजनीतिक, धार्मिक और उनके अग्रणी संगठनों का फैलाया हुआ है। ये वो लोग हैं जिन्हें हर नुक्कड़ पर और विभिन्न मंचों से आती आवाजों में खतरा नजर आता है। सरकार और कानून एवं व्यवस्था लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से शह पाकर ये स्वर और तीखे और दबंग होते जा रहे हैं। आज देश भर में हो रहे अपराध देखकर और इनके बारे में पढ़कर पाता हूं कि विगत की तुलना में इनकी संख्या और अंजाम देने में बरती जाने वाली क्रूरता में कितना बड़ा फर्क आ गया है। बर्बरता और सनक भरी हिंसा आज बलात्कार, हत्याओं, अगवा करके फिरौती मांगने वाले मामलों की पहचान बन गई है।

चाहे यह दिल्ली हो, हैदराबाद, मुम्बई, उत्तर प्रदेश हो या बिहार, अमानवीयता की दृश्यावली एक-सी है। आज बोलचाल नफरत की भाषा में तब्दील हो चुकी है और यह चलन खुलेआम और सार्वजनिक है। इसकी सबसे बड़ी शिकार महिलाएं हैं- जिन्हें मारपीट, बलात्कार, जला देना इत्यादि

भुगतना पड़ रहा है। फ्रिज और डीप फ्रीजर का काम मृतका का शव रखने की जगह बन गए हैं। आलम यह है कि मौसम या समय कोई भी हो, किसी भी महिला की यह समझदारी नहीं जो वह सूरज ढलने के बाद अकेले निकलने का दुस्साहस करे। चाहे सांप्रदायिकता हो या सामाजिक व जाति-आधारित भेद, आज समाज की भ्रंश-रेखाएं गहरी होती चली जा रही हैं। लचर गायक गैंग और गैंगस्टरों का महिमामंडन कर रहे हैं, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर इनके प्रशंसकों की अच्छी-खासी तादाद है। इन सबके बीच, सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात है कि मुख्य राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने इस पर चुप्पी साध रखी है। स्थानीय स्तर पर जरूर छिटपुट प्रदर्शन होते हैं लेकिन बड़े पैमाने पर होने वाला और सतत आंदोलन कोई नहीं, जो विभिन्न सरकारों को निर्णायक कार्रवाई करने को मजबूर करे। नतीजतन, अपराधों में संख्यात्मक वृद्धि हो रही है और अपराधी फल-फूल रहे हैं। समूचा आपराधिक न्याय तंत्र मरणासन्न हुआ पड़ा है। पुलिस हो या कार्यपालिका या फिर न्यायपालिका, हर कोई इस अकर्मण्यता वाली नीति का अंग है। हम लोग यानी आम नागरिक भी लगता है इन अमानवीय कृत्यों के प्रति उदासीन हो गए हैं। पीड़ितों के प्रति सहानुभूति गायब है, सिर्फ हित जो बाकी बचा, वह है 'मैं-मेरा-अपना'। बिना प्रश्रय अपराध फल-फूल नहीं सकता, इसके बिना अपराधी, आतंकवादी आंदोलन प्रफुल्लित नहीं हो सकते, न ही भ्रष्टाचार और न ही नौकरशाही और पुलिस में मौजूदा आपराधिक प्रवृत्ति वाले तत्व पल-बढ़ सकेंगे। मदद और प्रश्रय अब दबी-ढकी नहीं रही, बल्कि उघड़ी और प्रत्यक्ष है।

हमारे राजनीतिक नेतृत्व के चाल-चलन का सूक्ष्म उदाहरण देखना हो तो हाल ही में दिल्ली नगर निगम की विभिन्न कमेटियों के सदस्यों के चुनाव के दौरान रहा मंजर याद करें। सदन में हमारे ये तथाकथित नेतागण अपनी कूवत का पूरा गौरवपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, मर्द नेता दूसरे मर्द को घूंसे मार रहा था तो नेत्री अपने प्रतिद्वंद्वी को बालों से पकड़कर घसीट रही रही थी और इस संग्राम में, जो जिसके हाथ लगा, वह फेंक रहा था। तो यह है हमारे लोकतंत्र की नुमाइश। इसी तरह, पंजाब के अजनाला में पुलिस थाने पर सशस्त्र भीड़ का हमला होना और दबाव में आई सरकार द्वारा गिरफ्तार व्यक्ति को छोड़ने वाला प्रसंग अपनी कहानी आप बयां करता है।

नगालैंड में नारी सशक्तीकरण की नई इबारत

अरुण नैथानी

वैसे भी हम शेष भारत के लोग देश के अभिन्न अंग पूर्वोत्तर को लेकर बहुत कम जानकारी रखते हैं। वहां के लोगों की शिकायत रहती भी है कि शेष भारत के लोग हमें विदेशी की तरह देखते हैं। उनके साथ अच्छे व्यवहार न होने की शिकायत भी अक्सर देश के महानगरों व अन्य शहरों से आती रही है। यहां तक कि एक पूर्व मुख्यमंत्री एक सार्वजनिक कार्यक्रम में रो पड़े थे कि पूर्वोत्तर के लोगों को भारतीय नहीं समझा जाता। लेकिन अच्छी बात यह है कि हाल ही के दिनों में भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों के मुद्दों को अपने मुख्य एजेंडे में रखा है। भाजपा की केंद्रीय नीति का हिस्सा रहे पूर्वोत्तर राज्यों की प्रगति व संरचना विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। सीमा की दृष्टि से संवेदनशील राज्यों में यह जरूरी भी था।

पिछले दिनों यहां के तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए। लेकिन इसे विडंबना ही कहा जायेगा कि इन चुनावों की कवरेज व चर्चा दिल्ली के स्थानीय निकाय चुनावों से कम ही हुई। बहरहाल, नगालैंड इस बार एक खास वजह से चर्चा में है। वहां स्थापना के साठ साल बाद पहली बार महिलाओं को विधानसभा में प्रतिनिधित्व मिला है। जहां दीमापुर से हेकानी जखालु विधायक बनी व पश्चिमी अंगामी सीट से ही एनडीपीपी की प्रत्याशी सलहौतुओनुओ को पहली बार विधायक बनने का मौका मिला है। सलहौतुओनुओ एक पूर्व विधायक की विधवा हैं। यह सुनकर हैरत होती है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र कहे जाने वाले भारत के एक राज्य नगालैंड में छह दशक में आधी दुनिया को शासन व्यवस्था में कोई प्रतिनिधित्व नहीं मिला पाया। उल्लेखनीय है कि दीमापुर-तृतीय निर्वाचन क्षेत्र में हुए हालिया चुनाव में हेकाली जखालु एनडीपीपी के उम्मीदवार के तौर पर जीती हैं। जो राज्य में भारतीय जनता पार्टी का सहयोगी दल है। जखालु एक सामाजिक उद्यमी हैं। उनकी तारीफ राज्य में इस बात को लेकर होती रही है कि वे समाज में वंचित व प्रताड़ित महिलाओं के अधिकारों के लिये लड़ती रही हैं।

उन्होंने इस चुनाव में अपने निर्वाचन क्षेत्र को आदर्श बनाने तथा अल्पसंख्यक आबादी वाले क्षेत्रों के विकास को अपनी प्राथमिकता बताया था। दरअसल, वे इस राज्य में चर्चित यूथनेट नामक स्वयंसेवी संगठन का संचालन करती हैं। उनका दावा रहा है कि इस संगठन के जरिये वे डेढ़ दशक से स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के प्रयास में लगी हैं। कहा जा रहा है कि वे राज्य के 1.2 लाख युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देकर रोजगार दिलाने में कामयाब हुई हैं। फिर भी वे मानती रही हैं कि जब तक आप अधिकार प्राप्त करके सिस्टम का हिस्सा नहीं बनते, तब तक सहजता व सरलता से लक्ष्यों को पाने में बाधा आती ही है। उनका मानना रहा है कि किसी भी जनप्रतिनिधि का मुख्य दायित्व है कि अपने क्षेत्र के लोगों के लिये बेहतर शिक्षा, गुणवत्ता व सस्ती चिकित्सा सुविधा व मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराये।

इसमें दो राय नहीं कि जखालु ने अपने काम के जरिये ही राज्य में अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है। समाज में विशिष्ट योगदान के लिये ही वर्ष 2018 में उन्हें बाल और महिला विकास मंत्रालय ने नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया था। उल्लेखनीय है कि इस पुरस्कार को पाने वाली वह पूर्वोत्तर की पहली महिला हैं। बहरहाल, तोलुवी गांव की जखालु इस बार विधायक बनकर खासी प्रफुल्लित हैं। उन्हें इस बात का गौरव हासिल हुआ है कि वर्ष 1963 में नगालैंड बनने के बाद वह पहली विधायक बन पायी हैं। यह भी उनकी खास खुशी का कारण है कि वह इस साल चुनाव लड़ने वाली चार महिलाओं में दो विजेताओं में शामिल हैं। जखालु ने अपनी प्रतिद्वंद्वी लोक जन शक्ति पार्टी की अजेतो जिमोमी को करीब डेढ़ हजार मतों से हराया है। यूं तो हेकानी जखालु पेशे से वकील हैं लेकिन समाज उत्थान के कार्यों में उनकी गंभीर रुचि है। उन्होंने अपनी प्राथमिक पढ़ाई नगालैंड में रहते हुए ही पूरी की थी। तदुपरांत उच्च शिक्षा के लिये अपना राज्य छोड़ना पड़ा। उन्होंने लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वुमेन और दिल्ली विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ लॉ में अध्ययन करते हुए एलएलबी की डिग्री हासिल की। कालांतर वे पढ़ने विदेश भी गईं और सैन फ्रांसिस्को विश्वविद्यालय से एलएलएम किया। इसके अलावा हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय में शैक्षिक पाठ्यक्रम पूरा किया। इसके बाद ही वे नगालैंड में युवाओं के उत्थान के लिये अपने यूथनेट के बैनर तले काम करती रहीं। युवा सशक्तीकरण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। उनका यह योगदान इन चुनावों में काम आया तथा युवा मतदाताओं ने उनमें भरोसा जताया।

तभी पिछले 14 विधानसभाओं के चुनावों के बाद पहली विधायक बनने का गौरव हासिल कर सकी हैं। नि:संदेह, राज्य में महिला प्रतिनिधित्व के नजरिये से नगालैंड के इतिहास में बड़ी घटना है, जिसका हिस्सा हेकानी जखालु बनी हैं। बहरहाल, राज्य की शासन व्यवस्था में महिलाओं को प्रतिनिधित्व मिलना महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। भाजपा कह सकती है कि यह बदलाव उसकी सहयोगी नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के प्रयासों से संभव हुआ है, जिसके साथ वह वर्ष 2018 से गठबंधन में है। उल्लेखनीय है कि इस गठबंधन ने पिछले चुनाव में तीस सीटें हासिल की थी। यह भी कि राज्य अब महिला सशक्तीकरण की राह पर चल चुका है। बहरहाल, दीमापुर की चुनग्राम कॉलोनी में रहने वाली हेकानी जखालु लंबे चुनावी अभियान में थकान के बावजूद अपनी जीत से उत्साहित हैं। फिलहाल, 48 साल की हेकानी जखालु के पास लंबी राजनीतिक पारी खेलने का दमखम है। उन्हें नगालैंड की राजनीति में भविष्य का चेहरा बताया जा रहा है।

आंवले का जूस

आंवला में विटामिन-सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। अगर आप जॉन्डिस से जूझ रहे हैं, तो आंवले का चूर्ण या जूस का सेवन कर सकते हैं। रोजाना सुबह आंवला जूस पीने से आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को दूर सकती हैं।

टमाटर का जूस

टमाटर में विटामिन-सी, पोटैशियम, लाइकोपीन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह पीलीया के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद है। इसके लिए टमाटर के रस में सेंधा नमक और काली मिर्च मिलाएं। रोजाना सुबह खाली पेट इस जूस का सेवन कर सकते हैं।

जॉन्डिस की समस्या में बेहद गुणकारी हैं ये जूस

जॉन्डिस यानी पीलिया रोग संक्रमण की वजह से होती है। दरअसल, यह बीमारी दूषित पानी और खाना खाने से हो सकती है। अगर समय पर इस बीमारी का इलाज न किया जाए, तो मरीज के लिए खतरनाक स्थिति पैदा हो सकती है। इस बीमारी में लिवर ठीक से काम करना बंद कर देता है और भूख भी कम हो जाती है, त्वचा का रंग भी पीला हो जाता है। अगर आप भी जॉन्डिस से ग्रसित हैं, तो डाइट में कुछ बदलाव कर इस बीमारी को कंट्रोल कर सकते हैं। आज आपको कुछ ऐसे जूस के बारे में बताने जा रहे हैं, जो पीलिया के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद हैं।

मूली का जूस

जॉन्डिस के मरीजों के लिए मूली का जूस बहुत ही गुणकारी माना जाता है। इसमें मौजूद सोडियम, फॉस्फोरस, विटामिन-ए जैसे पोषक तत्व शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। इससे जूस तैयार करने के लिए मूली की हरी पत्तियों को पानी में उबाल लें और फिर इसे छान लें। जब यह गुनगुना हो जाए, तो सेवन कर सकते हैं।

जॉन्डिस के लक्षण

पाचनक्रिया में गड़बड़ी, पेट के दाई और मध्य भाग में हल्का दर्द, थकान, कमजोरी, भूख ना लगना और कई बार पेट पर मोटापा दिखने लगता है। कारणों का पता लगाकर विशेषज्ञ दिनचर्या में बदलाव करने के लिए कहते हैं। स्थिति गंभीर होने पर लिवर सिरोसिस भी हो सकता है। ंसप्लांट ही इसका अंतिम इलाज होता है।

गन्ने का जूस

गन्ने का जूस पीलिया के मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह लिवर को मजबूत करने में मददगार है। जिन लोगों को पीलिया की समस्या है, डाइट में गन्ने का जूस जरूर शामिल करें, जो तेजी से ठीक होने में मदद कर सकते हैं। ये आपकी प्यास बुझाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। बता दें कि गन्ने के जूस को कैल्शियम, पोटैशियम, आरन, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस का अच्छा सोर्स माना जाता है। गन्ने के जूस में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और फोटोप्रोटेक्टिव तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। जिससे आप गर्मियों में होने वाली वायरल इंफैक्शन जैसी बीमारियों से दूर रह सकते हैं।

नींबू का रस

नींबू विटामिन-सी और एंटी ऑक्सीडेंट का रिच सोर्स है। यह लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। जिन लोगों को जॉन्डिस की समस्या है, नियमित रूप से गुनगुने पानी में नींबू का रस मिलाकर पी सकते हैं। चाहें तो इसमें सेंधा नमक या काली मिर्च भी डाल सकते हैं।

हंसना मना है

डॉक्टर - तुम रोज सुबह क्लिनिक के बाहर खड़े होकर औरतों को क्यों घूरते हो...? पप्पू - जी आप ने ही तो लिखा है, औरतों को देखने का समय सुबह 9 बजे से 11 बजे तक!

पप्पू (पुलिस स्टेशन जा कर बोला) - मुझे फोन पर जान से मारने की धमकी मिल रही है... इंस्पेक्टर - कौन दे रहा है...? पप्पू - बिजली वाले। कहते हैं, बिल नहीं भरा तो काट देंगे...!!!

पुलिसवाला चौराहे पर चेकिंग कर रहा था... पुलिसवाला (पप्पू से) - इस बैग में क्या है? पप्पू - बताते हैं...! पुलिसवाले ने फिर से पूछा - अरे क्या है इसमें...? पप्पू - बताते हैं... बताते हैं...! पुलिसवाले ने तुरंत मौके पर बम निरोधक दस्ते को बुला लिया! उन्होंने जैसे ही बैग को खोला... हवलदार बोला- साहब इसमें तो बतासे हैं! पुलिसवाला (पप्पू से) - इसमें बतासे हैं तो इतनी देर से तू बोल क्यों नहीं रहा था...? पप्पू - इत्ती देल से यही तो बता लहा था ती इतमें बताते हैं बताते हैं! ये सुनकर पुलिसवाला बेहोश...

एक व्यक्ति हेलीकॉप्टर उड़ाना सीख रहा था! पांच सौ फुट की ऊंचाई पर उड़ते-उड़ते अचानक हेलीकॉप्टर नीचे आ गिरा...!! प्रशिक्षक ने पूछा - क्या हुआ...? जवाब मिला - कुछ नहीं, ऊपर जाकर मुझे ठंड लगने लगी, सो मैंने पंखे बंद कर दिए थे...!!

कहानी | गौरैया और बंदर

एक जंगल के किसी घने पेड़ पर एक गौरैया का जोड़ा रहता था। दोनों खुशी-खुशी अपना जीवन बीता रहे थे। फिर आया सर्दियों का मौसम, इस बार बहुत ही कड़ाके की ठंड पड़ने लगी। ठंड से बचने के लिए एक दिन कुछ बंदर उस पेड़ के नीचे ठिठुरते हुए पहुंचे। तेज ठंडी हवाओं से सभी बंदर कांप रहे थे। वो आपस में बात करने लगे कि काश कहीं से आग सेंकने को मिल जाती तो ठंड दूर हो जाती। उसी बीच एक बंदर की नजर पास पड़ी सूखी पत्तियों पर पड़ी। उसने दूसरे बंदरों से कहा, चलो इन सूखी पत्तियों को इकट्ठा करके जलाते हैं। और पत्तियों को जलाने का उपाय करने लगे। ये सब पेड़ पर बैठी गौरैया देख रही थी। वो बंदरों से बोल पड़ी, तुम लोग कौन हो?, देखने में तो तुम आदमियों की तरह लग रहे हो, हाथ-पैर भी हैं, तुम अपना घर बनाकर क्यों नहीं रहते? गौरैया की बात सुनकर ठंड से कांप रहे बंदर चिढ़ गए और बोले, तुम अपना काम करो, हमारे काम में पड़ने की जरूरत नहीं है। इतना कहने के बाद वो फिर आग जलाने के बारे में सोचने लगे और अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। इतने में बंदरों की नजर एक जुगनू पर पड़ी। वो चिल्लाने लगा, देखो ऊपर हवा में चिंगारी है, इसे पकड़कर आग जलाते हैं। यह सुनते ही सारे बंदर उसे पकड़ने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। ये देख चिड़िया फिर बोल पड़ी, यह जुगनू है, इससे आग नहीं सुलगेगी। तुम लोग दो पत्थरों को घिसकर आग जला सकते हो। बंदरों ने चिड़िया की बात को अनसुना कर दिया। कई कोशिश के बाद उन्होंने जुगनू को पकड़ लिया और फिर उससे आग जलाने की कोशिश करने लगे, पर वो इस काम में कामयाब नहीं हो पाए और जुगनू उड़ गया। इतने में फिर से गौरैया बोल उठी, आप लोग मेरी बात मानिए, पत्थर रगड़कर आप आग जला सकते हैं। इतने में एक गुस्साए हुए बंदर से रहा न गया और उसने पेड़ पर चढ़कर गौरैया के घोसले को तोड़ दिया। यह देख चिड़िया दुखी हो गई और डर कर रोने लगी। इसके बाद वो उस पेड़ से उड़कर कहीं और चली गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपके खर्चों में वृद्धि होगी साथ ही आय में भी वृद्धि होगी। नौकरीपेशा लोगों के खास काम भी आज पूरे हो सकते हैं। आज थोड़ी बेचैनी और चिड़चिड़ाहट भी हो सकती है।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन सामान्य से कुछ बेहतर रहेगा। परिवार पर ध्यान देंगे। परिवार के लोगों का साथ और सानिध्य मिलेगा। काम में बरकत आएगी।

मिथुन
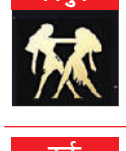
आज आपको नए लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। किसी भी काम को करने से पहले बड़ों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कम रूचि लेंगे।

कर्क

आज आपको वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी आपको लंबे समय से तलाश थी। आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज आप कामकाज में व्यस्त रहेंगे।

सिंह

आपके लिए आज का दिन बाद बढ़िया रहने वाला है। आपकी सोच समझ विकसित होगी और आप मजबूती से हर काम को अंजाम देंगे जिससे कामों में सफलता मिलेगी।

कन्या
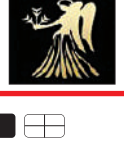
आज कारोबार में लाभ ही लाभ होगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। घरेलू काम को निपटाने में आप सफल रहेंगे।

तुला

आज काम में दबाव पड़ सकता है इसलिए आपको सावधान रहना चाहिए। कुछ नई योजनाएं कार्यान्वित की जा सकती हैं। पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण रहेगा।

वृश्चिक

आपके लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा लेकिन नतीजे अधिकतर आपके पक्ष में आएंगे। काम के सिलसिले में अच्छे नतीजे मिलेंगे। भाग्य का सितारा बुलंद रहेगा।

धनु

आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आपको यात्रा से लाभ होगा। परिवार में आपसी सामंजस्य बना रहेगा।

मकर

बेफिजूल के विवादों से बचें और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। अपने परिवार के लोगों के स्वास्थ्य के बारे में ध्यान रखना होगा, क्योंकि उनका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

कुम्भ

आपके लिए आज का दिन कमजोर कहा जा सकता है क्योंकि आपके खर्चे भी बढ़ेंगे और तनाव भी बढ़ेगा। आप के ऑफिस में काम का बोझ आपके सर चढ़कर बोलेगा।

मीन

आज आपका आत्मविश्वस बढ़ा रहेगा। करियर में सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा।

किंग खान की सुरक्षा में सेंध

बॉलीवुड के बादशाह कहे जाने वाले शाह रुख खान की सुरक्षा में बड़ी चूक की घटना सामने आई है। गुरुवार को उनके मुंबई स्थित मन्नत अपार्टमेंट में दो अजनबी घुस आए। यह दोनों गुजरात के रहने वाले हैं। इन दो अंजान शख्स को सुरक्षा गार्डों ने पकड़कर बांद्रा पुलिस के हवाले कर दिया। पूछताछ किए जाने पर उन लोगों ने यह बताया कि वह गुजरात के रहने वाले हैं। आईपीसी के तहत मामला दर्ज न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मन्नत में घुसे उन दो लोगों की उम्र 20 और 22 वर्ष है। उन्होंने खुद को शाह रुख खान का बहुत बड़ा फैन बताया। बहरहाल, उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत अनधिकार प्रवेश और अन्य प्रासंगिक अपराधों का मामला दर्ज किया गया है। वहीं, एहतियात के तौर पर शाह रुख खान के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

बॉलीवुड | मसाला

बता दें कि पिछले ही साल शाह रुख और गौरी ने मन्नत के लिए नई नेमप्लेट ली थी, जो कि डार्क कलर वॉल पर चमकीली लाइट्स से सजी हुई है। मन्नत के बाहर अक्सर ही किंग खान के फैंस का जमावड़ा देखने को मिलता है। खुद शाह रुख अपने जन्मदिन पर फैंस को ग्रीट करने और उन्हें अपनी एक झलक दिखाने बालकनी में आते हैं। इस दौरान शाह रुख भरी भीड़ के साथ बालकनी से ही सेल्फी भी क्लिक करते हैं। पठान फिल्म की रिलीज से पहले भी शाह रुख खान ने मन्नत की बालकनी से फैंस से मुलाकात की थी। 2 नवंबर को उनके जन्मदिन वाले दिन मन्नत के बाहर भारी संख्या में भीड़ जमा हुई थी, जिसके वीडियो शाह रुख ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए थे। बात अगर किंग खान के वर्कफ्रंट की करें, तो वह इन दिनों पठान की सक्सेस का स्वाद चख रहे हैं। यह शाह रुख की कमबैक फिल्म है, जिसके जरिये उन्होंने चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है।

'बड़े मियां छोटे मियां' में सोनाक्षी सिन्हा की हुई धमाकेदार एंट्री

सोनाक्षी सिन्हा के फैंस के लिए अच्छी खबर हैं। दरअसल सोनाक्षी सिन्हा की बड़े मियां छोटे मियां फिल्म में एंट्री हुई है। सोनाक्षी सिन्हा अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगी। जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।

हाल ही में बर्लिन से लौटी बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा आगामी एक्शन एंटरटेनर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की कास्ट में शामिल होने के लिए तैयार हैं। फिल्म की यूनिट ने हाल ही में फिल्म के शेड्यूल के मुंबई चरण को समाप्त किया और वर्तमान में स्कॉटलैंड में फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, जिसकी तस्वीरें फिल्म के निर्माता जैकी भगनानी ने गुरुवार को साझा की। स्कॉटलैंड शेड्यूल के बाद अबू धाबी शेड्यूल होगा, जो मार्च के अंत तक होगा। बड़े मियां छोटे मियां में अपने जुड़ाव के बारे में सोनाक्षी ने कहा, मैं बड़े मियां छोटे मियां के लिए इस अद्भुत कलाकारों की टुकड़ी का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। अक्षय के साथ काम करना हमेशा खुशी की बात रही है और मैं टाइगर के साथ पहली बार काम करने के लिए उत्सुक हूं।

बड़े मियां छोटे मियां में भारत के दो सबसे बड़े एक्शन सितारे-अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म के निर्देशक की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, अली अब्बास जफर एक शानदार निर्देशक हैं और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह फिल्म एक ब्लॉकबस्टर होगी। मैं दर्शकों को यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि हमारे पास उनके लिए क्या है। इस बीच, सोनाक्षी के पास संजय लीला भंसाली की वेबसीरीज हीरामंडी और एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी फिल्म्स दहाद भी हैं, इन प्रोजेक्ट से अभिनेत्री ने डिजिटल शुरूआत भी की है।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद व्यर्थ की बहस: मनोज वाजपेयी

मनोज बाजपेयी अक्सर कई चीजों की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। इन दिनों वो अपनी फिल्म गुलमोहर की वजह से काफी चर्चे में हैं। हाल ही में मनोज बाजपेयी ने भाई-भतीजावाद यानी नेपोटिज्म को भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक व्यर्थ बहस कहा है, यह कहते हुए कि इसका संबंध कनेक्शन और रिश्ते जो बनाता है उससे है। एक नए इंटरव्यू में मनोज ने यह भी कहा कि असली समस्या फिल्म देखने वालों में है जो अक्सर भेदभाव करते हैं। मनोज ने यह भी कहा कि केवल एक इंडस्ट्री से निष्पक्षता की मांग करना सही नहीं है। मनोज ने आगे कहा कि विरोधाभास होता है और अगर कोई निष्पक्षता मांग रहा है तो जीवन के हर चरण में निष्पक्षता मांगें। मनोज ने कहा, नेपोटिज्म की ये भूत बेकार की है... ज्यादातर समय, यह उन कनेक्शनों और रिश्तों के साथ करना होता है जो एक अगर आप किसी के साथ सहज महसूस करते हैं, तो आप उनके साथ और अधिक काम करना चाहते हैं। अगर वो मेरी जगह किसी ताऊजी के लड़कों को लेने जा रहे हैं फिल्म में तो लें..उनका पैसा है, जो करना चाहता है करे। मेरे बजाय उनके रिश्तेदार को फिल्म में कास्ट करें, फिर रहने दें। उन्होंने आगे कहा, मेन समस्या फिल्म प्रदर्शनियों में है। प्रदर्शक अक्सर भेदभाव करते हैं। जब हमें 100 स्क्रीन दे रहे तो कम से कम मुझे 25 तो..उसी को देंगे तो मेरा क्या? जो जितना पावरफुल होता है वो अपना पावर का व्हील उतना घुमाता रहता है। मनोज को हाल ही में डिज्नी + हॉटस्टार पर रिलीज़ हुई पारिवारिक ड्रामा गुलमोहर में देखा गया था। राहुल वी चित्तेला की निर्देशित गुलमोहर में शर्मिला टैगोर, अमोल पालेकर, सूरज शर्मा, सिमरन और कावेरी सेठ भी हैं। यह चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट और ऑटोनॉमस वर्क्स के सहयोग से स्टार स्टूडियोज ने बनाया है।

इस देश में 33.5 इंच से ज्यादा हुई कमर तो कंपनी कर देगी बाहर!

एक ऐसा देश हैं जहां की सरकार ने लोगों के मोटा होने पर बैन लगा दिया है। आप बिल्कुल सही पढ़ रहे हैं। यहां के नागरिकों की कमर की नियमित साइज ली जाती है। निर्धारित मानक से अधिक साइज होने पर सरकारी एजेंसियों और कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाता है। इसके साथ ही मोटे कर्मचारी की काउंसलिंग की जाती है और उन्हें फिट होने के लिए रिहैब सेंटर तक में डाल दिया जाता है। आखिर यह कौन सा देश हैं जो फिटनेस को लेकर इतना सचेत है। दरअसल, इस देश में कानूनी तौर पर एक पुरुष की कमर की साइट 33. 5 इंच और एक महिला की कमर की साइज 35. 4 इंच तय कर दी गई है। इस कमर साइज से अधिक वाले लोगों पर तरह-तरह से दबाव डाला जाता है कि वे मोटापा कम करें। एक और रोचक बात आपको बताता हूं कि यहां के लोग मख्खन-मलाई, घी-बटर खाना पसंद नहीं करते। वे मिठाइयां भी नहीं के बराबर खाते हैं। इसके बावजूद वे दुनिया के सबसे स्वस्थ लोगों में गिने जाते हैं। हम बात कर रहे हैं दुनिया के एक सबसे विकसित और अमीर देश जापान की। जापान आज दुनिया का एक सबसे फिट देश है। उसने करीब डेढ़ दशक पहले 2008 में अपने नागरिकों को फिट बनाने के लिए एक अभियान चलाया था। यह दुनिया में संभवत: अपने आप में एक यूनिक अभियान है। इस अभियान को कानूनी जामा भी पहनाया गया। इस कानून के तहत कंपनियों और स्थानीय सरकारों को नियमित रूप से 40 से 74 साल के अपने नागरिकों की कमर की माप लेनी होती है। इस माप के आधार पर मानक से अधिक किसी नागरिक को मोटा पाया जाता है तो उन्हें डाइट प्लान दिया जाता है। फिर तीन माह बाद उनकी कमर मापी जाती है। अगर इन तीन महीने में भी उनका वजन नहीं घटता है तो उस नागरिक को फिर छह माह के लिए कोर्स दिया जाएगा। 2008 में बने इस कानून में नागरिकों को फिट बनाने में विफल रहने पर कंपनियों और स्थानीय सरकारों पर जुर्माना लगाने का भी प्रावधान किया गया है। इस अभियान को चलाने वाले जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इससे देश में डायबिटीज और स्ट्रोक जैसी बीमारियों पर काबू पाया जा सकेगा।

अजब-गजब | मां दुर्गा के इस मंदिर को माना जाता है शापित

इस मंदिर में जाने से घबराते हैं भक्त

हमारे देश में लाखों मंदिर मौजूद है। इनमें से कुछ मंदिर तो बेहद अद्भुत और रहस्यमयी है। लेकिन इनमें से कुछ मंदिरों को डरावना भी माना जाता है। इसलिए इन मंदिरों में जाने के नाम से भी लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो मां दुर्गा का मंदिर है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि इसमें जाने की किसी की भी हिम्मत नहीं होती। क्योंकि इस मंदिर में कोई जाता है मौत उसके पीछे पड़ जाती है। बता दें कि नवरात्र के दिनों में मां दुर्गा के ही नौ रूपों की पूजा की जाती है।

इस मौके पर बहुत से लोग मां दुर्गा के दर्शन के लिए मंदिरों में जाते हैं। लेकिन जिस मंदिर के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं उसने नवरात्रि के दिनों में भी जाने की किसी की हिम्मत नहीं होती। क्योंकि मां दुर्गा के इस मंदिर को शापित माना जाता है। इस मंदिर के बारे में ऐसा मानना है कि इस मंदिर में जो भी जाता है, उसके लिए खतरे से कम नहीं होता। कहते हैं इस मंदिर के अंदर जो भी रूकने गया वो कभी लौट कर नहीं आया। ये मंदिर मध्य प्रदेश के देवास जिले का है, दुर्गा मां के इस मंदिर में हर कोई जाने से दूर भागता है। इस मंदिर के बारे में स्थानीय लोगों की मान्यता है कि मां दुर्गा के इस मंदिर में बलि चढ़ाना जरूरी है। वहीं, कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि इस मंदिर में किसी औरत की आत्मा भटकती है। इस मंदिर के बारे में बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण देवास के किसी महाराजा ने करवाया था। इस मंदिर के बनवाने के बाद से राजघराने में कुछ ना कुछ अशुभ हो जाता था। मंदिर बनवाने के कुछ दिन बात पता चला कि राजा की राजकुमारी और सेनापति के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा है। वहीं, राजा ये नहीं चाहता था कि उसकी बेटी के साथ किसी सेनापति की शादी हो। इसलिए राजा ने राजकुमारी को बंधक बना लिया. बंधक बनाने के बाद राजकुमारी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सेनापति को जब इस बात की खबर हुई, तो उसने भी आत्महत्या कर ली। राजमहल में इस घटना के बाद राजपुरोहित ने राजा को बताया कि ये मंदिर अपवित्र हो चुका है। अब इस मंदिर में पूजा करने का अब कोई लाभ नहीं है। पुरोहित ने राजा को ये भी सलाह दी की इस मंदिर से मूर्ति को हटाकर उसे कहीं और विराजित करना चाहिए। पुरोहित की सलाह पर राजा ने तुरंत मां दुर्गा की मूर्ति को हटाकर उज्जैन के गणेश मंदिर में मूर्ति को स्थापित किया। मंदिर को हटाने के बाद भी राजघराने में अजीबों-गरीब घटनाएं होती रहती थी, तब पुरोहित ने ये मान लिया कि मंदिर शापित हो चुका है और मंदिर में जाने से रोक लगा दी गई।

तमिलनाडु की घटना पर ऐक्शन में सीएम नीतीश, बनाई जांच कमेटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। तमिलनाडु में बिहार के लोगों पर कथित हमले को लेकर सीएम नीतीश कुमार एक्शन में नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पूरे मामले पर मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ बैठक की। मीटिंग के बाद सीएम नीतीश ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम तमिलनाडु जाएगी। ये टीम उस प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेगी जहां से बिहार के लोगों के साथ मारपीट करने की खबरें मिली हैं। मुख्यमंत्री ने दक्षिणी राज्य में बिहार के प्रवासी मजदूरों पर कथित हमलों के बारे में पता लगाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की चार सदस्यीय टीम को भेजने का फैसला किया।

बिहार के ग्रामीण विकास सचिव बालमुरुगन डी की अध्यक्षता में टीम तमिलनाडु में प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगी। ये टीम उन इलाकों का दौरा करेगी जहां बिहार के लोगों पर हमलों की रिपोर्ट सामने आई है। इस टीम के अन्य सदस्यों में पुलिस महानिरीक्षक पी कन्नन और विशेष सचिव (श्रम संसाधन विभाग) अलोक कुमार और एक और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शामिल हैं। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को ये जानकारी हमारे सहयोगी अखबर टीओआई को दी।

बीजेपी नेताओं से मुलाकात के बाद सीएम का एक्शन

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस मामले पर पूरी तरह संवेदनशील है। इससे पहले बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर एक विशेष टीम तमिलनाडु भेजने की मांग की थी।

तेजस्वी ने किसी भी घटना से किया इंकार

दरअसल, तमिलनाडु में बिहार के लोगों पर कथित अटैक को लेकर बीजेपी आक्रामक है। बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों में गुरुवार और शुक्रवार को बीजेपी की ओर से यह मामला उठाया गया। हालांकि, डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने विधानसभा में ऐसी घटना से इनकार किया। था। सरकार ने पहले ऐसी घटना को अफवाह बताया था। हालांकि, अब बढ़ते हंगामे के बीच सीएम नीतीश एक्टिव नजर आ रहे हैं।

सीएम नीतीश ने बताया क्यों लिया ये फैसला

सीएम नीतीश ने कहा कि टीम प्रभावित इलाकों में रह रहे बिहार के लोगों और स्थानीय प्रशासन से बातचीत करेगी। बिहार के लोगों की समस्याओं के समाधान को लेकर उचित कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को पूरी स्थिति पर लगातार नजर रखने को भी कहा है।

लोगों में कम हो रही सब्र और सहिष्णुता : सीजेआई

» डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- फेक न्यूज से सच्चाई बनती है विक्टिम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हम ऐसे दौर में रह रहे हैं जहां लोगों में सब्र और सहिष्णुता कम है। सोशल मीडिया के दौर में अगर कोई आपकी सोच से सहमत नहीं है तो वह आपको ट्रोल करना शुरू कर देता है। अमेरिकन बार एसोसिएशन इंडिया कॉन्फ्रेंस 2023 में सीजेआई ने कहा सोशल मीडिया पर फेक न्यूज जिस रफ्तार से फैलती है, उसके चलते सच्चाई विक्टिम बन गई है। एक झूठी बात बीज की तरह जमीन में बोई जाती है और यह बड़ी थ्योरी में बदल जाती है, जिसे तर्क के आधार पर तौला नहीं जा सकता है। इसलिए कानून को भरोसे की ग्लोबल करेंसी कहते हैं। सीजेआई ने यह बातें अमेरिकन बार एसोसिएशन इंडिया कॉन्फ्रेंस 2023 के लॉ इन द ऐज ऑफ ग्लोकलाइजेशन: कंवर्जेंस ऑफ इंडिया एंड द वेस्ट सेमिनार में कहीं।।

सीजेआई ने कहा कि कई मायनों में भारतीय संविधान ग्लोबलाइजेशन का सबसे बड़ा उदाहरण है, वह भी उस समय का जब हम ग्लोबलाइजेशन के दौर में आए नहीं थे। जब संविधान का ड्राफ्ट तैयार किया गया था, तो इसे बनाने वालों को ये अंदाजा नहीं था कि दुनिया में किस तरह से बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि उस वक्त हमारे पास इंटरनेट नहीं था। हम ऐसे दौर में थे जो एल्गोरिदम से नहीं चलता था। सोशल मीडिया तो बिल्कुल नहीं था। आज हर छोटी चीज के लिए आपको यह डर रहता है कि सोशल मीडिया पर लोग आपको ट्रोल करेंगे। और यकीन मानिए जज होकर हम इस ट्रोलिंग से बच नहीं पाते हैं। आज हर छोटी चीज के लिए आपको यह डर रहता है कि सोशल मीडिया पर लोग आपको ट्रोल करेंगे। और यकीन मानिए जज होकर हम इस ट्रोलिंग से बच नहीं पाते हैं।

जब दुनिया के साथ भारत में भी कोविड-19 फैला था तो भारतीय न्यायपालिका ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करना शुरू किया। धीरे-धीरे यह बाकी अदालतों तक पहुंच गया। महामारी के परिणाम के तौर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ने न्याय को डीसेंट्रलाइज कर दिया है। न्याय तक लोगों की पहुंच बढ़ाने में यह बेहद अहम बदलाव रहा है।

गहलोत पर शेखावत करेंगे मानहानि का मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार दोपहर करीब 2 बजे राउज इवेन्यू कोर्ट में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराएंगे। शेखावत आज कोर्ट रूम नंबर-503 में जाकर केस फाइल करेंगे

दरअसल, फरवरी में अपने जोधपुर दौरे के दौरान सीएम गहलोत ने सर्किट हाउस में संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी से जुड़े पीड़ितों से मुलाकात की थी, जो करोड़ों रुपये का निवेश करने के बाद दर-दर भटक रहे थे। इस दौरान पीड़ितों ने आरोप लगाया था कि इस स्कैम में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शामिल हैं। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने पीड़ित पक्ष की बातों को ध्यान में रखकर न्याय उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिया था।

इसके बाद सीएम मीडिया से कहा था कि, मुझे तो लगता है कि ऐसे व्यक्ति को मोदी जी ने मंत्री कैसे बना दिया. मैंने पिछले दिनों सदन में कहा था कि गजेंद्र सिंह शेखावत खुद एक अभियुक्त हैं। इसके बाद गजेंद्र सिंह शेखावत ने गिरफ्तारी के डर से अपनी सिक्योरिटी बढ़ा ली।

लाखों रुपये का मामला होता तो मैं तुमसे भीख मांग लेता। उद्योगपतियों से या कोई योजना निकाल देता, लेकिन यहां पर तो अरबों रुपये का मामला है। इतने बड़े मंत्री के रहते हुए उनको खुद को आगे आना चाहिए और कदम उठाना चाहिए ।

पिच पर गिरी गाज रेटिंग मिली खराब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला गया तीसरा टेस्ट तीसरे दिन ही खत्म हो गया। टीम इंडिया की हार व आस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी भी अपेक्षानुरुप नहीं रही। इन सभी खामियों का खामियाजा पिच को भुगतना पड़ा है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने स्टेडियम की पिच को पुअर यानी खराब रेटिंग दी है। 15 सेशन का खेल 7 सेशन ही चल सका। मैच में 31 विकेट गिरे, जिनमें से 26 स्पिनर्स ने लिए।

मैच के पहले ओवर में पांचवीं बॉल से ही पिच उखड़ने लग गई थी। मैच रेफरी क्रिस ब्रोड ने भी बताया कि पिच पहले दिन से उखड़ने लगी और लगातार खराब होती चली गई। आईसीसी के मैच रेफरी ने पिच को खराब रेटिंग दी। साथ ही होलकर स्टेडियम को 3 डिमेरिट पॉइंट भी दिए गए। ब्रोड ने कहा कि पिच बहुत सूखा था। स्पिनर्स को बहुत ज्यादा मदद थी, इस पर बैटर और बॉलर के बीच बराबरी का मुकाबला नहीं हुआ।

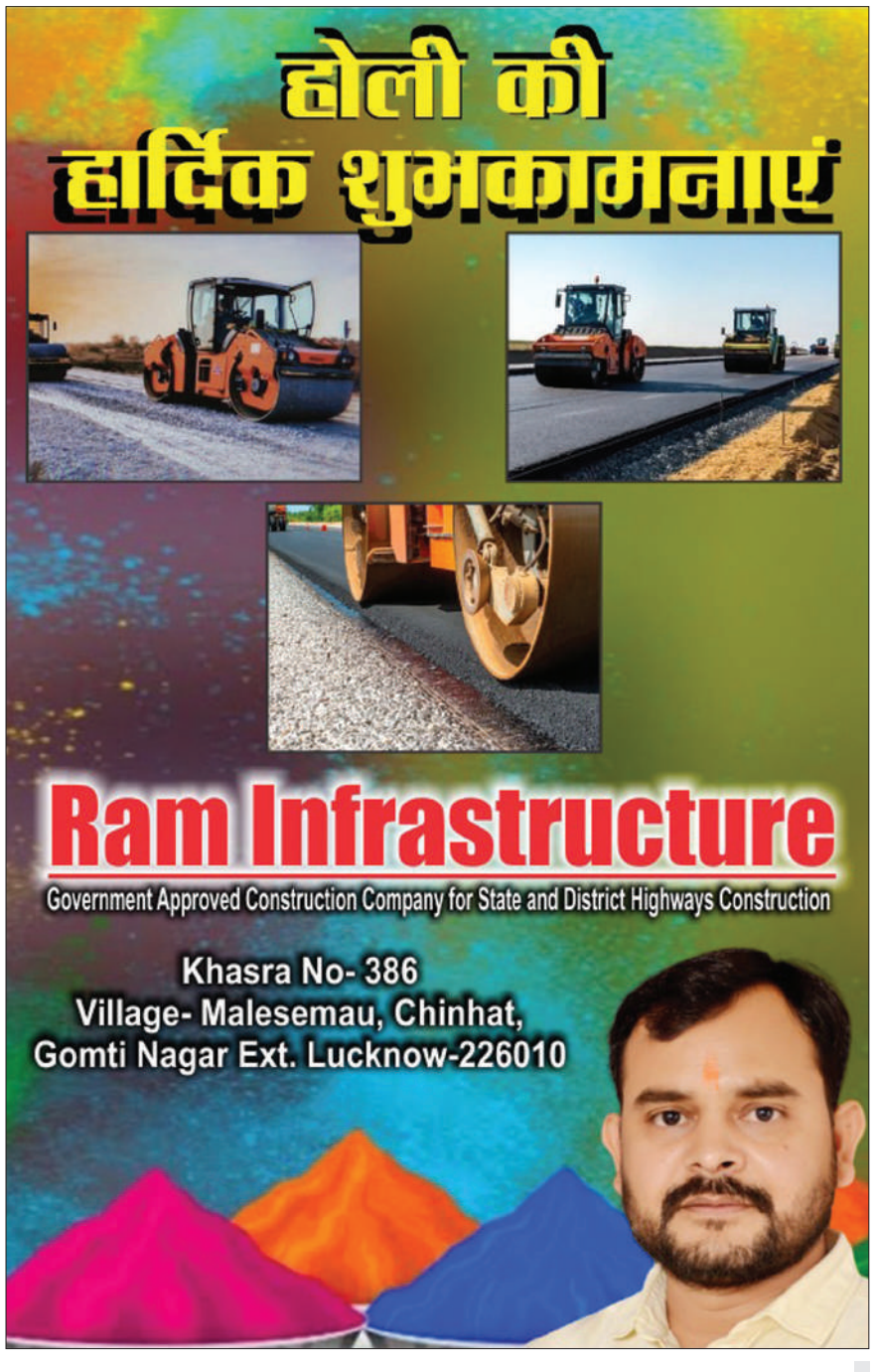

उमेश पाल हत्याकांड: बुलडोजर ऐक्शन जारी लगातार चौथे दिन प्रशासन ने की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उमेश पाल की सरेआम हत्या के बाद योगी सरकार ने सख्त रवैया अपना लिया है। आज शनिवार को लगातार चौथे दिन भी प्रशासन का बुलडोजर अतीक अहमद के करीबियों पर चला। माफिया अतीक के खास गुर्गे के घर को ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई पुलिस बल की मौजूदगी में की गई।

प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड के बाद शुरू हुए ऐक्शन के तहत पहले दिन जफर अहमद खान, दूसरे दिन सफदर अली, तीसरे दिन मसकुद्दीन के आलीशान घरों को बुलडोजर से गिरा डाला गया। बमबाज गुड्डू मुस्लिम और शूटर मोहम्मद गुलाम भी प्रशासन और पुलिस की फेहरिस्त में शामिल हैं। दोनों आरोपी सीसीटीवी में वारदात को अंजाम देते हुए कैद हुए थे।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने 1 मार्च को चकिया के कसारी मसारी स्थित जफर अहमद के मकान को जमीदोंज किया गया था। बताया गया कि इसमें बाहुबली अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और उनके बेटे रहा करते थे।

सितंबर 2020 को अतीक अहमद के चकिया स्थित पुश्तैनी हवेलीनुमा मकान ध्वस्त कर दिया गया था, तभी से परिवार इस मकान में रह रहा था।

अगले दिन 2 मार्च को राजरूपपुर 60 फीट रोड पर जॉनसेनगंज स्थित गनहाउस के मालिक सैयद सफदर अली के घर को अवैध करार देते हुए बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया गया। इसकी अनुमानित कीमत 2 करोड़ रुपये की रही। सैयद सफदर अली पर पुलिस ने आरोप लगाया है कि वह अतीक अहमद की गैंग को हथियार और कारतूस मुहैया करवाते थे।

तीसरे दिन शुक्रवार 3 मार्च को पूरा मुफ्ती थाना क्षेत्र के अहमदपुर असरौली में पूर्व प्रधान मासूकउद्दीन के आलीशान मकान को बुलडोजर से घेरकर धराशायी कर दिया गया। मौके पर मासूकउद्दीन की बेटी तौकीर फातिमा ने यह दावा किया कि यह मकान उनका है। लेकिन पीडीए ने नक्शा पास नहीं होने पर जमीदोंज कर दिया।

एक सप्ताह बाद भी पकड़ में नहीं आए सीसीटीवी में दिखे अपराधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उमेश पाल और उनकी सुरक्षा में तैनात दो सिपाहियों की 24 फरवरी की शाम सरेआम हत्या कर दी गई। कातिल सीसीटीवी फुटेज में दिखे। पहचान हो गई लेकिन पुलिस की 20 टीमें एक सप्ताह बीतने के बाद भी किसी कातिल तक नहीं पहुंच पाई। हालांकि इस दौरान अरबाज को एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। सदाकत को गोरखपुर से पकड़ा गया। लेकिन ये दोनों पर्दे के पीछे के खिलाड़ी थे। सीसीटीवी फुटेज में न तो अरबाज दिखा न ही सदाकत दिखा था। प्रदेश में हाल के सबसे सनसनीखेज हत्याकांड की गूंज विधानसभा में भी सुनाई दी थी। एसटीएफ ने अपनी सर्वश्रेष्ठ पुलिस वालों की दस टीमें बनाकर शूटरों की खोजबीन शुरू की थी। प्रयागराज यूनिट के अलावा लखनऊ, वाराणसी और गोरखपुर यूनिट के तेज तर्रार पुलिस कर्मियों को लगाया गया। इसके अलावा प्रयागराज में एसओजी और पुलिस वालों की दस अलग-अलग टीमें भी खोजबीन में लगी रहीं लेकिन शूटरों के मामले में पुलिस 24 फरवरी की शाम वाली जगह ही खड़ी है। सीसीटीवी में दिखने वाला कोई भी शूटर आज तक हाथ नहीं आया है।इस बीच कई बातें पता चलीं जैसे घटना के बाद सारे शूटर क्रेटा कार से चकिया पहुंचे थे।

फिलहाल प्रयागराज से लेकर नेपाल तक छापे मारे गए। एसटीएफ ने शूटरों को पकड़ने के लिए सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा थी। लेकिन आज तक सीसीटीवी में दिखने वाले असद, गुड्डू मुस्लिम, गुलाम, अरमान और साबिर नहीं मिल पाए।

वसुंधरा राजे ने दिखाया दम

एक लाख लोग जन्मदिन पर पढ़ेंगे हनुमान चालीसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का जन्मदिन 8 मार्च को है, लेकिन उस दिन होली होने की वजह से वह अपना जन्मदिन आज सालासर में बालाजी मंदिर के दर्शन के साथ कर रही हैं।

इस दौरान वो एक बड़ी रैली को भी सम्बोधित करेंगी।

उनके जन्मदिन के मौके पर करीब 1,00,000 लोग एक साथ हनुमान चालीसा का भी पाठ करेंगे। वसुंधरा के इस आयोजन को शक्ति प्रर्दशन के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन कल ही भाजपा के राज्य संगठन की ओर से कहा गया कि संगठन के सभी लोग शामिल होंगे।

कर्नाटक सरकार के खिलाफ सड़क पर कांग्रेस, किया जोरदार प्रदर्शन

» बीजेपी विधायक के बेटे के मुद्दे पर गरमाई राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। भाजपा विधायक के बेटे का घूस लेते हुई गिरफ्तारी का मामला बीजेपी की गले की फांस बनता जा रहा। इस मुद्दे पर कर्नाटक की राजनीति गरमा गई है।

कांग्रेस ने कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को घेरने की योजना बनाई है और आज कर्नाटक कांग्रेस बेंगलुरु में विरोध प्रदर्शन कर रही है। कर्नाटक लोकायुक्त की एंटी करप्शन विंग ने हाल ही में बीजेपी विधायक मदल विरुपक्षप्पा के बेटे के बेंगलुरु स्थित ठिकानों पर छापा मारकर आठ करोड़ रुपए की नकदी बरामद की थी।

पुलिस ने कांग्रेस के नेता सिद्धारमैया समेत कई नेताओं को हिरासत में लिया है। पूर्व सीएम और विपक्ष के नेता सिद्धारमैया ने कहा कि मुख्यमंत्री झूठ बोल रहे हैं कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त है। अगर ऐसा है तो ये क्या हो रहा है।

हमने कभी भी आतंकवाद का समर्थन नहीं किया है। कांग्रेस आतंकवाद का समर्थन क्यों करेगी? अमित शाह भी बड़े झूठे हैं। सिद्धारमैया ने कहा कि हम सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के मुद्दे पर आज चर्चा करेंगे।

मलाईदार पदों पर बैठे अधिकारियों को नगर आयुक्त ने किया कार्यमुक्त

» नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ट्रांसफर-पोस्टिंग पर हुए सख्त

» डॉ. बिन्नो अब्बास रिजवी भेजी गईं अयोध्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर सख्ती अपनाना शुरू कर दिया है। सालों से नगर निगम लखनऊ में मलाईदरों पदों पर कुंडली मारे बैठे अधिकारियों को अब अपनी नई जगहों पर तैनाती लेनी पड़ेगी। सालों से तैनात जोनल अधिकारी बिन्नो अब्बास रिजवी का पूर्व में स्थानांतरण गैर जनपद की ओर किया गया था।

अयोध्या में ट्रांसफर होने के बावजूद भी बिन्नो लखनऊ में ही रुकी हुई थीं। नगर निगम के कई अन्य अधिकारियों पर भी नगर आयुक्त ने कार्रवाई की है। जिन जोनल अधिकारियों के पूर्व में तबादले हुए थे उनको तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर गैर जनपद के लिये रवाना कर दिया गया है। कल देर शाम नगर आयुक्त ने सभी जोनल अधिकारियों के साथ मीटिंग कर टैक्स वसूली में बरती जा रही अनियमितताओं के चलते करारी फटकार भी लगायी। नगर निगम से आये इन आदेशों से साफ-जाहिर हो गया की इस बार नगर आयुक्त के आगे किसी की भी सिफारिश नहीं चली।

इसी तहत पूर्व में अयोध्या न जाने की जिद पर अड़ीं कर निर्धारण अधिकारी डा. बिन्नो रिजवी को नगर आयुक्त ने वहीं दोबारा भेज दिया। जबकि कर अधीक्षक दिलीप कुमार श्रीवास्तव और राकेश कुमार को प्रयागराज, राम सागर कुशवाहा और नरेन्द्र देव को कानपुर तथा सुप्रीया राव को वाराणसी, आनंद कुमार सिंह को लखीमपुर खीरी तथा सुभाष चन्द्र त्रिपाठी को अयोध्या भेजा गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।